THE BONDED LABOUR SYSTEM (ABOLITION) AMENDMENT BILL, 1984

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI VEERENDRA PATIL): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to amend the Bonded Labour System (Abolition), Act, 1976.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI VEERENDRA PATIL: Sir, I introduce the Bill.

RE. POLITICAL SITUATION IN ANDHRA PRADESH

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Sir, the Governor-designate of Andhra Pradesh is here in Delhi. He has not assumed office. He is sitting in the Home Minister's office. He is waiting for the Centre's instructions. Sir, Mrs. Gandhi gave a concrete assurance in the House that the convening of the Andhra Assembly will be preponed. Still they have not announced the date of convening of the Assembly. (*Interruption*)

श्री उपसभापति : एक-एक आदमी बोलिए, मैं सब की सुन लेता हूं ... **(व्यवधान)** पहले बैठिए आप । श्री रामानन्द यादव ।

श्री रामानन्द यादव (बिहार) : मान्यवर बड़े दुख की बात है कि जो लोग प्रजातंत्र का नाम लेते है और राज्य सभा से लोक सभा और बाहर और भीतर, चारों तरफ प्रजातंत्र का नारा देते है, नारा बुलन्द करते हैं, वही लोग प्रजातंत्र की हत्या कर रहे हैं । मान्यवर, पहले आन्ध्र के एम०एल०ए० लोगों को यहां लाया गया, राष्ट्रपति जी से भेंट कराई गई और यहां से बस ट्रेन में कहीं बाहर नहीं जाने दिया गया । उन्हें शहर में घूमने नही दिया गया । एक होटल में बंद करके उन्हें रखा गया और एक-एक के पास आदमी बैठाए गए थे, पिस्तौल ले करके कि कोई उनसे बात नहीं करने पाए और मिलने के बाद एन०टी० रामराव ने यह कहा कि कही जाने की जरूरत नही है । आप लोग जाइए कर्नाटका, Just like cattle they were dumped in the railway wagon and sent to Karnataka. और उन्हें होटल में रखा गया । अलग-अलग होटल में बंद करके रखा गया । होटल के बाहर और होटल के अन्दर कड़ा पहरा था जहां पर कि उनको बंदी बना करके रखा गया और आर०एस०एस० के लोग उनकी रक्षा कर रहे थे । मैं चाहूंगा कि सरकार को जल्द से जल्द उन एम०एल०ए० लोगों को जिन्हें कैद करके रखा गया है, जिन्हें यह स्वतन्त्रता नहीं है कि वे बंगलौर के शहर में घूम सकें, वे हैदराबाद जा सकें, इस पर सैन्ट्रल गवर्नमेंट को सोचना चाहिए । वह कोई व्यवस्था करे ताकि वे लोग फ्री हो सकें और फ्री होकर अपने विचारों को व्यक्त कर सकें । वे आन्ध्र में जा सकें .... **(व्यवधान)** वहां असेंबली में फ्री होकर अपने मत को व्यक्त कर सकें ... **(व्यवधान)**

आज लाखों रुपए एन०टी०रामाराव अमरीका से लाए हैं । इससे वे चाहते हैं कि वे इन एम०एल०एज० को खरीद लें और इधर वे एम०एल०ए० सक्षम होना चाहते है, उन लोगों ने बहुत कोशिश की है । जहां तक कि रामकृष्ण हेगड़े, जो कि कर्नाटक के चीफ मिनिस्टर हैं, उनको भी पत्र लिखा है, उनमें से बहुत से लोगों ने, कि यहां हम लोगों को बंदी बनाकर होटल में रखा गया है, हमें रीलीज किया जाए ताकि हम अपने प्रांत जा सकें, अपने परिवार के लोगों से मिल सकें और आंध्र की असेम्बली में जा सकें । तो इसलिए भारतीय सरकार को इस बारे में तुरन्त उचित कार्यवाही करनी चाहिए ।